भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2157

(जिसका उत्तर मंगलवार, 22 मार्च, 2022/1 चैत्र, 1944 (शक) को दिया जाना है)

वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में परिवर्तन

2157. श्री मल्लिकार्जुन खड़गे:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क): वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कितने प्रतिशत परिवर्तन हुआ है;

(ख): वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक निजी स्थिर उपभोग व्यय (पीएफसीई) में कितने प्रतिशत परिवर्तन हुआ है;

(ग): वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक सकल स्थिर उपभोग व्यय में कितने प्रतिशत परिवर्तन हुआ है;

(घ): वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में कितने प्रतिशत परिवर्तन हुआ है;

(ङ): (क) से (घ) तक उल्लिखित तुलनात्मक आंकड़ों का, मुद्रास्फीति से समायोजित आंकड़ों के साथ, ब्यौरा क्या है; और

(च): इस धीमी वसूली और संवृद्धि की कमी के क्या कारण हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): दिनांक 28 फरवरी 2022 को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा जारी जीडीपी के राष्ट्रीय आय और व्यय घटकों के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक प्रतिशत परिवर्तन इस प्रकार है:

वर्ष	वास्तविक जीडीपी का स्तर (करोड़ रुपये)	वास्तविक जीडीपी में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)
2018-19	1,39,92,914	-
2019-20	1,45,15,958	3.7
2020-21	1,35,58,473	-6.6
2021-22	1,47,71,681	8.9

(ख): दिनांक 28 फरवरी 2022 को एमओएसपीआई द्वारा जारी जीडीपी के राष्ट्रीय आय और व्यय घटकों के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) में प्रतिशत परिवर्तन निम्नानुसार है:

वर्ष	नाममात्र पीएफसीई का स्तर (करोड़ रुपये)	नाममात्र पीएफसीई में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)	वास्तविक पीएफसीई का स्तर (करोड़ रुपये)	वास्तविक पीएफसीई में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)
2018-19	1,12,05,296	-	78,50,444	-
2019-20	1,22,37,111	9.2	82,59,704	5.2
2020-21	1,20,32,762	-1.7	77,63,734	-6.0
2021-22	1,40,24,731	16.6	83,55,833	7.6

(ग): दिनांक 28 फरवरी 2022 को एमओएसपीआई द्वारा जारी जीडीपी के राष्ट्रीय आय और व्यय घटकों के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक सकल स्थायी पूंजीगत निर्माण (जीएफसीएफ) में प्रतिशत परिवर्तन निम्नानुसार है:

वर्ष	नाममात्र जीएफसीएफ का स्तर (करोड़ रुपये)	नाममात्र जीएफसीएफ में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)	वास्तविक जीएफसीएफ का स्तर (करोड़ रुपये)	वास्तविक जीएफसीएफ में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)
2018-19	55,68,422	-	45,40,509	-
2019-20	57,37,645	3.0	46,11,021	1.6
2020-21	52,64,073	-8.3	41,31,279	-10.4
2021-22	66,97,727	27.2	47,32,872	14.6

(घ): दिनांक 28 फरवरी 2022 को एमओएसपीआई द्वारा जारी जीडीपी के राष्ट्रीय आय और व्यय घटकों के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक प्रति व्यक्ति जीडीपी में प्रतिशत परिवर्तन इस प्रकार है:

वर्ष	नाममात्र प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का स्तर (रु.)	नाममात्र प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)	वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का स्तर (रु.)	वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत परिवर्तन (प्रतिशत)
2018-19	1,42,424	-	1,05,448	-
2019-20	1,49,701	5.1	1,08,247	2.7
2020-21	1,46,087	-2.4	1,00,032	-7.6
2021-22	1,72,761	18.3	1,07,934	7.9

(ङ): उपर्युक्त परिगणित वास्तविक विकास दरें मुद्रास्फीति के लिए समायोजित की जाती हैं।

(च): उल्लिखित नकारात्मक विकास दरें वैश्विक अर्थव्यवस्था में कोविड-19 महामारी से प्रेरित आपूर्ति और मांग के झटकों के कारण हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है। हालांकि, वर्ष 2021-22 में वास्तविक जीडीपी वर्ष 2019-20 के सबसे हालिया महामारी-पूर्व उत्पादन की तुलना में 1.8 प्रतिशत अधिक है, जो यह दर्शाता है कि उत्पादन स्तर की पूर्ण भरपाई कर ली गई है।

*****